## सिमी को गैरकानूनी संगठन घोषित करने वाली अवधि बढ़ाई गई

***संदर्भ**: हाल ही में, भारत सरकार ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) 1967 की धारा 3(1) के तहत 'स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी)' पर प्रतिबंध पांच साल के लिए बढ़ा दिया है।*

- 31 जनवरी, 2019 को राजपत्र अधिसूचना संख्या एसओ 564 (ई) के माध्यम से लागू किया गया था।
- सिमी लगातार ऐसी गतिविधियों में लगा हुआ है जो आतंकवाद को बढ़ावा देती हैं और देश में शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को बाधित करती हैं।
- ये कार्य भारत की संप्रभुता, सुरक्षा और अखंडता के लिए हानिकर हैं।
- विदित हो कि, सिमी और उसके सदस्यों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 सहित कानून की विभिन्न धाराओं के तहत कई आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं।
- **किसी एसोसिएशन/संस्थान/संगठन को गैरकानूनी घोषित करने की प्रक्रिया:**
  - **ट्रिब्यूनल को अधिसूचना:** यूएपीए की धारा 4 के तहत, सरकार को; प्रतिबंध के लिए गजट अधिसूचना जारी करने के 30 दिनों के भीतर, गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम ट्रिब्यूनल को एक अधिसूचना भेजना अनिवार्य है।
- **गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के बारे में:**
  - **अधिनियमन और संशोधन:**
    - वर्ष 1967 में अधिनियमित, यूएपीए को बाद में 2004 और 2008 में संशोधित कर आतंकवाद विरोधी कानून बनाया गया।
    - अगस्त 2019 में, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2019 को संसद द्वारा मंजूरी दी गई, जिससे अधिनियम में निर्दिष्ट आधारों के तहत व्यक्तियों को आतंकवादी के रूप में नामित करने की अनुमति मिली।
- **प्रावधान:**
  - **धारा 3:** यह सरकार को किसी एसोसिएशन/संस्थान/संगठन को "गैरकानूनी" घोषित करने की शक्ति प्रदान करती है, जिससे सदस्यता का अपराधीकरण हो सकता है और संगठन की संपत्तियों को जब्त किया जा सकता है।
  - **धारा 4:** इस धारा के तहत सरकार को प्रतिबंध के अनुसमर्थन के लिए 30 दिनों के भीतर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम न्यायाधिकरण को सूचित करने का आदेश देती है।
  - **धारा 7:** यह सरकार को किसी गैरकानूनी संघ के धन के उपयोग पर रोक लगाने का अधिकार देता है।
  - **धारा 8:** इस धारा के तहत गैरकानूनी एसोसिएशन द्वारा उपयोग किए गए सभी स्थानों की अधिसूचना और जब्ती को अधिकृत किया जाता है।
- **यूएपीए ट्रिब्यूनल:**
  - **गठन**: सरकार द्वारा एक न्यायाधिकरण का गठन किया जाता है, जिसमें एक उच्च न्यायालय का न्यायाधीश शामिल होता है।
  - **शक्तियाँ:** ट्रिब्यूनल के पास अपनी प्रक्रिया को विनियमित करने की शक्ति है तथा इसे सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के तहत दीवानी न्यायालय के समान शक्तियाँ प्राप्त हैं।
  - **व्यय:** न्यायाधिकरण द्वारा किए गए सभी खर्च भारत की संचित निधि से वहन किए जाते हैं।
- **पुष्टिकरण प्रक्रिया:**
  - किसी संगठन को "गैरकानूनी" घोषित करने का आदेश केंद्र द्वारा यूएपीए की धारा 3 के तहत जारी किए जाते हैं।
  - कोई भी सरकारी आदेश तब तक प्रभावी नहीं होता जब तक ट्रिब्यूनल इसकी पुष्टि नहीं कर देता।

## अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (एआईएसएचई) 2021-22

***संदर्भ:** अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (एआईएसएचई) 2021-22 के निष्कर्षों को 25 जनवरी को प्रकाशित किया गया।*

- **एआईएसएचई 2021-22 रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष:**
  - **नामांकन वृद्धि:** 25 जनवरी को जारी एआईएसएचई रिपोर्ट के अनुसार 2021-22 में छात्र नामांकन में 4.33 करोड़ की वृद्धि हुई है, जबकि 2020-21 में यह 4.14 करोड़ और 2014-15 में 3.42 करोड़ थी।
  - **सर्वेक्षण का दायरा:** सर्वेक्षण में 10,576 स्टैंडअलोन (Standalone) संस्थान, 42,825 कॉलेज और 1,162 विश्वविद्यालय/विश्वविद्यालय स्तर के संस्थान शामिल हैं।
  - **महिला नामांकन वृद्धि:**
    - इस समय महिला नामांकन में लगातार वृद्धि देखी जा रही है, जो 2021-22 में 2.07 करोड़ तक पहुंच गई है, जो 2014-15 में 1.5 करोड़ से 32% अधिक है।
    - इस संदर्भ में विशेष रूप से, उच्च शिक्षा में महिलाओं का अनुपात बढ़ा है, 2021-22 में अतिरिक्त 91 लाख छात्रों में से 55% महिलाएं हैं।
  - **सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) और लिंग समानता सूचकांक (जीपीआई):**
    - 18-23 आयु वर्ग के लिए अनुमानित जीईआर 28.4 है, जिसमें चंडीगढ़ में सबसे अधिक 64.8% जीईआर है।
    - अखिल भारतीय स्तर पर जीपीआई 1.01 है, जो लैंगिक समानता को दर्शाता है, और राज्य-वार जीईआर 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में महिलाओं के पक्ष में है।
  - **अनुशासन प्राथमिकताएँ:**
    - स्नातक स्तर पर कला वर्ग में सर्वाधिक नामांकन 34.2% है, इसके बाद विज्ञान (14.8%), वाणिज्य (13.3%), और इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी (11.8%) का स्थान है।
    - स्नातकोत्तर स्तर पर, मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए) कार्यक्रम कुल नामांकन के 40.7% के साथ अग्रणी है।
- **सरकारी संस्थान को प्राथमिकता:** सभी विश्वविद्यालयों में केवल 58.6% छात्र होने के बावजूद, 73.7% छात्र सरकारी विश्वविद्यालयों में नामांकित हैं।
- **स्नातक स्तर की जनसांख्यिकी:**
  - वर्ष 2021-22 के शैक्षणिक वर्ष में, अनुमानित 1.07 करोड़ छात्र स्नातक हुए, जिनमें 50.8% महिलाएं थीं।
  - इन स्नातकों में लगभग 35% स्नातक अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), 13% अनुसूचित जाति (एससी) और 5.7% अनुसूचित जनजाति (एसटी) से संबंधित हैं।
  - कला और सामाजिक विज्ञान संकाय स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर उच्च स्नातक दर प्रदर्शित करते हैं।
  - पीएचडी स्नातकों की सबसे अधिक संख्या विज्ञान संकाय में है।
- **अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (एआईएसएचई)**
  - वर्ष 2010-11 से शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया, वार्षिक AISHE भारत में उच्च शिक्षा की स्थिति को प्रदर्शित करने का कार्य करता है।
  - वेब-आधारित सर्वेक्षण शिक्षकों, छात्र नामांकन, कार्यक्रमों, परीक्षा परिणामों और शिक्षा वित्त जैसे मापदंडों पर एक व्यापक आंकड़ा एकत्र करता है।
  - इसके लिए सकल नामांकन अनुपात, छात्र-शिक्षक अनुपात, लिंग समानता सूचकांक और प्रति छात्र व्यय सहित महत्वपूर्ण शैक्षिक विकास संकेतकों की गणना एआईएसएचई डेटा से ली गई है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- वर्ष 2011 में लॉन्च किया गया, AISHE भारतीय क्षेत्र के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को शामिल करता है।
- इस सर्वेक्षण का प्राथमिक उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों की पहचान कर और उन्हें सूचीबद्ध करना, उच्च शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक आंकड़ा एकत्र करना और संबंधित क्षेत्र के विकास के लिए नीतिगत निर्णयों एवं अनुसंधान को सूचित करना है।
- इसके अलावा अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण में देश भर के संस्थान शामिल हैं, जो बिना किसी अतिरेक के छात्र नामांकन, शिक्षक डेटा, बुनियादी ढांचे और वित्तीय पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान करते हैं।

## तंत्रिका नेटवर्क (Neural Network)

***संदर्भ:*** *'नेचर' जर्नल में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने गहन शिक्षण और तंत्रिका नेटवर्क का लाभ उठाने वाले एंटीबायोटिक दवाओं की एक नई श्रेणी की पहचान की है।*

### तंत्रिका नेटवर्क क्या है?

- तंत्रिका नेटवर्क मानव मस्तिष्क की संरचना और कार्य से प्रेरित एक कम्प्यूटेशनल मॉडल है, जिसे जटिल डेटा को संसाधित करने और निर्णय लेने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इसमें परस्पर जुड़े हुए नोड्स या न्यूरॉन्स होते हैं, जो कई परतों में व्यवस्थित होते हैं, इसकी प्रत्येक परत विशिष्ट गणनाओं के लिए जिम्मेदार होती है।
- तंत्रिका नेटवर्क न्यूरॉन्स के बीच के संपर्क सूत्र को समायोजित कर प्राप्त डेटा अपने पैटर्न को पहचान कर भविष्यवाणियां करने में सक्षम होती हैं।

### तंत्रिका नेटवर्क क्यों महत्वपूर्ण हैं?

- तंत्रिका नेटवर्क कृत्रिम बुद्धिमत्ता में मशीनों को ऐसे कार्य करने में सक्षम बनाकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो पहले केवल मनुष्यों के लिए संभव थे।
- वे असंगठित डेटा को प्रबंधित करने, सार्थक परिणाम और सटीक पूर्वानुमान तैयार करने में उनकी दक्षता उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में अपरिहार्य बनाती है।
- अनुभव से लगातार सीखने और सुधार करने की तंत्रिका नेटवर्क की क्षमता उन्हें बदलते परिवेश और विकसित डेटासेट के अनुकूल बनाती है।

### तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग किस लिए किया जाता है?

- न्यूरल नेटवर्क में स्वास्थ्य सेवा, वित्त, दूरसंचार और मनोरंजन सहित उद्योगों के विविध अनुप्रयोग शामिल हैं।
- स्वास्थ्य देखभाल में, वे चिकित्सा छवि विश्लेषण, रोग निदान और दवा की खोज में सहायता करते हैं।
- वित्तीय क्षेत्र में, इनका उपयोग शेयर बाजार की भविष्यवाणी, धोखाधड़ी का पता लगाने और जोखिम मूल्यांकन के लिए किया जाता है।
- दूरसंचार में, ये नेटवर्क वाक् पहचान, भाषा अनुवाद और नेटवर्क अनुकूलन को बढ़ाते हैं।
- तंत्रिका नेटवर्क मनोरंजन के क्षेत्र में, अनुशंसा प्रणाली, सामग्री निर्माण और गेमिंग एल्गोरिदम को शक्ति प्रदान करते हैं।

### तंत्रिका नेटवर्क कैसे काम करते हैं?

- तंत्रिका नेटवर्क में एक इनपुट परत, एक या अधिक गौण परतें और एक आउटपुट परत होती है।
- एक परत में प्रत्येक न्यूरॉन पिछली परत में न्यूरॉन्स से इनपुट प्राप्त करता है, इसे गणितीय फ़ंक्शन का उपयोग करके संसाधित करता है, और परिणाम को अगली परत में न्यूरॉन्स तक भेजता है।
- प्रशिक्षण के दौरान, नेटवर्क ग्रेडिएंट डिसेंट जैसे अनुकूलन एल्गोरिदम का उपयोग करके, अनुमानित और वास्तविक आउटपुट के बीच त्रुटि के आधार पर न्यूरॉन्स के बीच कनेक्शन को समायोजित करता है।
- आगे और पीछे प्रसार की यह पुनरावृत्तीय प्रक्रिया नेटवर्क को डेटा से सीखने और समय के साथ अपने प्रदर्शन में सुधार करने की अनुमति देती है।

### तंत्रिका नेटवर्क कितने प्रकार के होते हैं?

- फीडफॉरवर्ड न्यूरल नेटवर्क सबसे सरल प्रकार के नेटवर्क हैं, जिसमें डेटा इनपुट से आउटपुट परतों तक एक दिशीय प्रवाह होता है।
- आवर्ती तंत्रिका नेटवर्क में ऐसे कनेक्शन होते हैं जो एक चक्रीय पथ बनाते हैं और अनुक्रमिक डेटा को संसाधित कर अस्थायी निर्भरता को पकड़ने की अनुमति देते हैं।
- कन्वेन्शनल न्यूरल नेटवर्क छवि प्रसंस्करण कार्यों के लिए विशिष्ट हैं, ये वस्तुओं को वर्गीकृत करने के लिए कन्वेन्शनल परतों का उपयोग करते हैं।
- जनरेटिव एडवरसैरियल नेटवर्क में दो तंत्रिका नेटवर्क; जनरेटर और विवेचक शामिल होते हैं। इस प्रकार के नेटवर्क यथार्थवादी डेटा नमूने उत्पन्न करने के लिए एक दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हैं।

## NEWS IN BETWEEN THE LINES

### स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया

हाल ही में, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश में आतंकवाद को बढ़ावा देने और शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने में शामिल होने के लिए स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) पर प्रतिबंध पांच साल के लिए बढ़ा दिया है।

**स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया के बारे में:**

- स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन है जिसका गठन 1977 में हुआ था।
- संगठन का घोषित मिशन भारत को इस्लामिक भूमि में परिवर्तित करके "मुक्त" कराना है।
- संगठन का लक्ष्य इस्लाम फैलाने और "जेहाद" (धार्मिक युद्ध) के लिए समर्थन हासिल करने के लिए छात्रों और युवाओं का उपयोग करना है।
- इसका घोषित लक्ष्य सभी को बलपूर्वक इस्लाम में परिवर्तित करके या हिंसा द्वारा दार-उल-इस्लाम (इस्लाम का) स्थापित करना है।
- इसका गठन उत्तर प्रदेश में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में किया गया था।
- 1993 में इसने स्वयं को स्वतंत्र घोषित कर दिया।
- जिहादी समूह इंडियन मुजाहिदीन की स्थापना सिमी की एक शाखा के रूप में कई कट्टरपंथी सदस्यों द्वारा की गई थी।
- 9/11 के हमले के बाद 2001 में पहली बार इसे गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत "गैरकानूनी संघ" घोषित किया गया था।

## संसदीय समिति

हाल ही में, महिलाओं की शादी की उम्र मौजूदा 18 से बढ़ाकर 21 करने की मांग करने वाले विधेयक की जांच कर रही एक संसदीय समिति को अपनी रिपोर्ट पेश करने के लिए एक और विस्तार दिया गया है।

**संसदीय समिति के बारे में:**

- संसदीय समिति संसद सदस्यों (सांसदों) का एक समूह है जिसे सदन द्वारा नियुक्त या निर्वाचित किया जाता है या अध्यक्ष द्वारा नामित किया जाता है।
- समिति अध्यक्ष या सभापति के निर्देशन में कार्य करती है और अपनी रिपोर्ट सदन को या अध्यक्ष या सभापति को प्रस्तुत करती है।
- संसदीय समितियाँ दो प्रकार की होती हैं जिनमें तदर्थ समितियाँ और स्थायी समितियाँ शामिल हैं।
- तदर्थ समितियाँ एक विशिष्ट उद्देश्य के लिए नियुक्त की जाती हैं और जब वे अपना कार्य पूरा कर लेती हैं और रिपोर्ट प्रस्तुत कर देती हैं तो उनका अस्तित्व समाप्त हो जाता है।
- स्थायी समितियाँ स्थायी और नियमित समितियाँ हैं।
- संसदीय समिति की उत्पत्ति ब्रिटिश संसद में हुई थी और यह अपना अधिकार अनुच्छेद 105 और अनुच्छेद 118 से प्राप्त करती है।

## हम्बोल्ट की पहेली

**हम्बोल्ट की पहेली के बारे में:**

- हम्बोल्ट की पहेली एक अवधारणा है जो इस रहस्य का वर्णन करती है कि क्यों कुछ पर्वतीय क्षेत्रों, विशेष रूप से उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अत्यधिक उच्च जैव विविधता है।
- अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट ने 19वीं शताब्दी में हम्बोल्ट की पहेली की अवधारणा का प्रस्ताव रखा।
- यह एक पहेली है क्योंकि यह आम धारणा का खंडन करता प्रतीत होता है कि पृथ्वी पर सबसे अधिक विविधता भूमध्य रेखा के आसपास वर्षा वन पारिस्थितिकी तंत्र में होती है।
- हम्बोल्ट की पहेली के समर्थकों का मानना है कि पृथ्वी के उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में सभी जैव-विविधता क्षेत्र शामिल नहीं हैं।
- उनका मानना है कि उष्णकटिबंधीय क्षेत्र के बाहर के कई क्षेत्र अत्यधिक जैव-विविधता वाले हैं, जैसे कि पहाड़।
- भारत में जैव विविधता का अध्ययन करने के लिए 2015-16 में राष्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिशन शुरू किया गया था।

## यूएनआरडब्ल्यूए

हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने देशों से यूएनआरडब्ल्यूए के लिए फंडिंग फिर से शुरू करने का आग्रह किया और इज़राइल पर हमास के हमले से जुड़े किसी भी कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया।

**यूएनआरडब्ल्यूए के बारे में:**

- UNRWA का आशय फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी है।
- इसकी स्थापना 1949 में 1948 के अरब-इजरायल युद्ध के दौरान विस्थापित हुए फिलिस्तीनी शरणार्थियों को सहायता प्रदान करने के लिए की गई थी।
- यह गाजा, इजरायल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक, लेबनान, सीरिया और जॉर्डन में संचालित है।
- यह फिलिस्तीनी शरणार्थियों को शिक्षा, स्वास्थ्य, राहत, सामाजिक सेवाएँ, माइक्रोफाइनेंस और आपातकालीन सहायता कार्यक्रम प्रदान करता है।

## सुर्खियों में व्यक्तित्व

## महात्मा गांधी

राष्ट्र राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 76वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है।

**मोहनदास करमचंद गांधी (2 अक्टूबर 1869- 30 जनवरी 1948)**

भारत के एक प्रसिद्ध वकील, स्वतंत्रता सेनानी, राजनैतिक और आध्यात्मिक नेता थे, जिनका जन्म गुजरात के पोरबंदर में हुआ था।

**योगदान:**

- महात्मा गांधी ने 1917 में पहला सत्याग्रह आंदोलन, चंपारण सत्याग्रह का नेतृत्व किया, जो किसानों के अधिकारों के लिए लड़ा गया था।
- उन्होंने कई अन्य आंदोलनों का नेतृत्व किया, जिनमें 1920 में असहयोग आंदोलन, 1930 में सविनय अवज्ञा आंदोलन और 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन शामिल हैं।
- गांधी ने 1930 में ब्रिटिश सरकार के नमक कर के खिलाफ सविनय अवज्ञा आंदोलन का नेतृत्व किया।
- उन्होंने 1942 में ब्रिटिश शासन और द्वितीय विश्व युद्ध में भारत की भागीदारी के खिलाफ "करो या मरो" के नारे के साथ भारत छोड़ो आंदोलन का नेतृत्व किया।
- **नैतिक मूल्य:** विनम्रता, करुणा, क्षमा और सहिष्णुता, अहिंसा आदि।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

| | |
|---|---|
| **सुर्खियों में स्थल**<br><br>**यूक्रेन** | हाल ही में, यूक्रेन के ऊर्जा मंत्रालय ने खमेलनित्सकी संयंत्र में चार नए परमाणु रिएक्टर बनाने की योजना की घोषणा की, जिसका लक्ष्य इसे यूरोप का सबसे बड़ा परमाणु संयंत्र बनाना है।<br> <br>**अवस्थिति :** यूक्रेन पूर्वी यूरोप में स्थित है और रूस के बाद महाद्वीप का दूसरा सबसे बड़ा देश है।<br>**भौगोलिक सीमाएं:** यूक्रेन रूस (पूर्व और उत्तर), पोलैंड, स्लोवाकिया और हंगरी (पश्चिम), बेलारूस (उत्तर), काला सागर और आज़ोव सागर (दक्षिण), मोल्दोवा और रोमानिया (दक्षिण-पश्चिम) के साथ अपनी सीमा साझा करता है।<br>**भौतिक विशेषताएं:**<br>▪ यूक्रेन का सबसे ऊंचा बिंदु होवरला पर्वत है।<br>▪ यूक्रेन में दुनिया का सबसे लंबा वाद्य यंत्र और दुनिया का दूसरा सबसे गहरा मेट्रो स्टेशन है।<br>▪ यूक्रेन में लिथियम, प्राकृतिक गैस, काओलिन आदि कुछ महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन भी पाए जाते हैं।<br>▪ नीपर, सिवर्स्की डोनेट्स, Dniester और दक्षिणी बग नदियां काला सागर और छोटे आज़ोव सागर में दक्षिण की ओर बहती हैं। |

## POINTS TO PONDER

- हाल की खोजों के अनुसार अंटार्कटिका में सम्राट पेंग्विन मुख्य रूप से किस वातावरण में रहते हैं,? - **एंटार्कटिका में पैक बर्फ और आसपास के समुद्री क्षेत्र में**
- प्रमुख विधायी चर्चाओं वाला '84वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन' किस शहर में आयोजित किया गया था? - **मुंबई**
- महिंद्रा आर्मडो क्या है ? - **आर्मडो भारत का पहला बख्तरबंद लाइट स्पेशलिस्ट व्हीकल है, जो खासतौर पर भारतीय सशस्त्र बलों के लिए तैयार किया गया है**
- हाल ही में भारतीय सेना में सूबेदार का पद पाने वाली पहली महिला बनकर इतिहास किसने रचा? - **प्रीति रजक**
- जैसा कि हाल की चर्चाओं में देखा गया है, 'मार्केट एक्सेस इनिशिएटिव (एमएआई) योजना' मुख्य रूप से किस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करती है? - **निर्यात प्रोत्साहन योजना**

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com